2014

M.A.

1st Semester Examination

HINDI

Paper – HIN 104

Time : 2 Hours

Full Marks : 40

The figures in the margin indicate Full Marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्ही *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिएः- 12×2

(क) 'कवि पंत ने ताज को 'प्रेम का प्रतीक' नहीं बल्कि 'मृत्यु की पूजा' का कुत्सित प्रयास माना है।'

इस कथन के आलोक में 'ताज' कविता की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'कामायनी' के आधार पर श्रद्धा और इड़ा के चरित्र की तुलना कीजिए।

(ग) 'साकेत' के आधार पर गुप्त जी की नारी-भावना पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'उर्वशी' के तीसरे सर्ग के आधार पर दिनका की काव्यगत विशेषताओं का निरूपण कीजिए।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं *दो* की ससंदर्भ व्याख्या कीजिएः 8×2

(क) जिसे तुम समझे हो अभिशाप, जगत् की ज्वालाओं का मूल।
ईश का वह रहस्य वरदान, कभी मत इसको जाओ भूल।

(ख) करूणे, क्यों रोती है, 'उत्तर' में और अधिक तू राई -
मेरी विभूति है जो, उसको 'भव-भूति' क्यों कहे कोई?

(ग) हे जग-जीवन के कर्णधार ! चिर जन्म-मरण के आर-पार,
शाश्वत जीवन - नौका विहार !
मैं भूल गया अस्तित्व ज्ञान, जीवन का यह शाश्वत प्रमाण,
करता मुझको अमरत्व दान ।।

(घ) अरे वर्ष के हर्ष !
बरस तू बरस-बरस रसधार !
पार ले चल तु मुझको
वहाँ, दिखा मुझको भी निज
गर्जन वैभव संसार।